# भजन

सुन्दरसाथ तो वाको कहिए, जो व्रत जागनी का पाले रे
खुद जागे और सबको जगावे, कौल वतन का पाले रे

1–सुख और दुख को मन में न लावे,रहनी गरीबी की लावे रे
अवगुण काढ़े गुण ग्रहीजे,हारे से होए जीत रे

2– मोह माया लागे नहीं जिसको,मन फकीरी में लावे रे
पल पल साधे मूलमिलावा,साधे श्यामा श्याम रे

3– स्वरूप साहिब का मंथन करे,हृदय करे सनूकल रे
मन की बुजरकी रोज मारे,रहे साथ चरणों धूल रे

4– सुन्दरसाथ की सेवा करे,तन मन धन कुरबान रे
ऐसे सुन्दरसाथ के चरणों में,करें दण्डवत प्रणाम रे